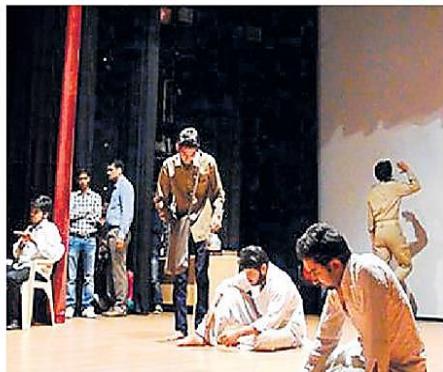


किताबी ज्ञान के साथ व्यवितरण विकास में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का योगदान अहम

भारतीय | महेंद्रगढ़

सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारी संस्कृति का आइना होते हैं। किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिभागिता करने से व्यक्ति का बौद्धिक विकास भी होता है।

उत्त विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट - पाली में खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग की अर्थ से आयोजित जिलास्तरीय युवा उत्सव के शुभारंभण अवसर पर आरोपीएस ग्रुप और एजुकेशन एवं स्ट्रेस के संस्थापक निरेक डॉ. ओ.पी.यादव ने मुख्य अधिकारी के रूप में बोलते हुए व्यक्त किए। विभाग के युवा एवं सांस्कृतिक अधिकारी अनिल कौशिंह ने इस भौति पर युवा उत्सव की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि युवा राष्ट्र की नई पार्डिंगों की खोज करने स्थापन है इत्यर्थ युवाओं को आकर राष्ट्र के आइने के रूप में स्थापित होना चाहिए। स्मरण रखते हुए कि जिला स्तरीय युवा उत्सव में 18 अला-अलग सांस्कृतिक विधाओं में प्रतिवेशीय आयोजित की जा रही है। विजेता टीमों 6 से 8 नवंबर तक अंडमान में होने वाले राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के संकाय अध्यक्ष



महाद्वारा कृद्या विश्वावधारय म आयाजत युवा महात्मव कायकम के द्वारा नाटक द्वाबा टक सिंह का प्रस्तुत दत्त भाग्रा कायकम म हास्याणा कृत्य प्रस्तुत करता भाग्रा

नाटक टोबा टेक सिंह ने की आंखें नम

जारकीत महाविद्यालय नारोलै से की और से प्रस्तुत बाटक 'टोगा टेक सिंह' के मध्यांग में शामाजार में बैठे दर्शकों की आवाजों को नवा कर दिया। बाटक के माध्यम से संदेश दिया गया कि नीतिमानों के साथ-साथ इनकावालों को वाटांगा बढ़ा दिया जाए। भरत-पाक विभाग की त्रासीनी पर अधिकारी बाटक में इन्विटेशन को बड़ी बाटे जाने का संदेश दिया गया वहाँ उंगीली खुप मैरेंजर्स द्वारा प्रस्तुत बाटक में हितियांगी संस्कृति को दर्शाते हुए घमरे विभिन्नों द्वारा संस्कृतों पर बहुती बध्य कसा गया।

प्रो. आशीष दविया ने की।

हरियाणा कैन्सीय विश्वविद्यालय के सभागार में आज जिलतंत्रीय युवा उत्सव में कलाकारों ने जहाँ नाटक के माध्यम से अधिनन्दन की सुन्दर-सुन्दर प्रदर्शनी दीं। वहाँ, लालकर्णी व लालकर्णीत के माध्यम से प्रदेश की लोक संस्कृति से अवगत कराया। युवा उत्सव में देएकता और अनेकता का करते हुए उत्तर, पूर्व, उच्च व दक्षिण भारत की सांस्कृतिक विवरात का सुन्दर मिश्रण देखने को थापा। कहीं देखने को थापा, हासरन भूमि, तबले की थापा, हासरन के स्वरों ने दर्शकों का

कराया। युवा उत्सव में देखे व क
एकता और अनेकता का चित्रण
करते हुए उत्तर, पूर्व, पश्चिम
व दक्षिण भारत की सांस्कृतिक
विवासनत का सुंदर मिश्रण भ
देखने को मिला। कहीं गिटार व
धुन, तबके की थाप, हारमोनियम
के स्वरों ने दर्शकों को ज्ञाम

व्याख्यान के माध्यम से व्यवस्था परिवर्तन की मांग

ताल्कानी विद्युत्यान में प्रतिभागियों ने राष्ट्र के अवेक जरूरत मुहूरे पर विद्युत सतीके द्वे अपवे
वियार रखते हुए वायदा परिवर्तन की मांग की। कार्यक्रम में जाहा गिटार के मायथम जै नारौलै
व कैरेंट्रिय विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने अपवी उत्तरियों की हस्तक्षण से सतीत साधा की। वहीं
हमेस्टेडियम लाइट व तरलों की प्रतिभागियों में भी प्रतिभागियों ने अपवी-अपवी काल का प्रदर्शन
किया। इस अवकर पर दों दीरी सिंह, डॉ. मरजो, डॉ. रुड्रू. डॉ. बिल्डर्स चहल, डॉ. अरती,
मुर्दीप, विक्रम, वईसीओ संघीय सभी, केस्ट्री बद्रन व शिक्षक, विद्यार्थी उपस्थित रहे।

श की पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम
चित्रण में भारतीय लोक संस्कृति की
परिचयक शास्त्रीय नृत्य, कथक,
कृत्तिक भरत नाट्यम् व उड़ीसा नृत्य पर भी
ग भी कलाकारों ने अपवी-अपवी सुनाए
एवं कर की प्रतिरुद्धियों से दर्शकों का मन माह
दिया। इसी विद्या को आगे बढ़ातो
झामने हुए राजकीय महिला महाविद्यालय

की छात्रा ईशा सिंह ने भारतीय
सांस्कृतिक समंगीत में राणों की
समाविशता प्रस्तुत कर भारत के
संगीत को नमन किया। इसी तरह
हार्फार्सोन कैंट्रिय विश्वविद्यालय व
नारनील के एआर प्रतिभागियों के संगीत
के प्रतिभागियों ने भी सुरु साधना क
जमराक परिचय दिया।

।। काव्यक्रम में संस्कृति की भूल, कथक, मन्त्र वा रभी अपनी सुदूर दूरी मान माह आगे बढ़ते महाविद्यालय की छात्रां ईशा सिंह ने भारतीय सांस्कृतिक संगीत में रगों की समविशेषता प्रस्तुत कर भारत के संगीतों को निम्न किया। इसी तरह विद्यालय के द्वारा विश्वविद्यालय व नाटक उत्तर से एवं सांस्कृतिक संगीत के प्रति भागिणों द्वारा भी सुर साधना के जमकर परिचय दिया।

जिला स्तरीय युवा उत्सव में युवक-युवतियों ने शानदार प्रस्तुति दी

सांस्कृतिक कार्यक्रम संस्कृति का आईना

डा. ओपी यादव ने कहा कि महेंद्रगढ़ जिला किसी समय पिछड़ा कहा जाता था परन्तु अब यह क्षेत्र शिक्षा का हब बन चका है।

हरिभमि न्यज महेंद्रगढ

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय जाट-

A photograph showing a group of young people on a stage during a performance. One man in a purple turban and light-colored clothing is gesturing while speaking. Several other performers are visible, some sitting on the floor and others standing behind him. The stage has a simple backdrop of red and blue curtains.

A photograph showing a group of women in traditional Indian attire, specifically orange and white sarees, performing a folk dance on a stage. They are in various stages of a synchronized movement, some with their arms raised. The background shows a dark curtain and some stage equipment.

आज होंगे ये इवेंट

युवा उत्सव के दूसरे दिन वृहस्पतिवार को
भारत नाट्यम, कथक आदि प्रतियोगिताएं
आयोजित होंगी जिनमें दो दर्जन से
अधिक प्रतिभागी भाग लेंगे।

हरियाणा केन्द्रीय विधायिकालय जाट पाली में बुधवार को शुरू हुए दो दिवसीय जिला सभारीय युवा उत्तम युवक-युवतीयों ने सांकेतिक कार्यक्रम की शानदार प्रगति देक्षणा मांग दिया। उत्तम का युवाओं बतार मुख्यालित आपारीयों वृद्ध और एजुकेशन के संस्थानों के डा. ओपी यादव ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समस्त दीप प्रज्ञानिति कर किया। अकार्यम की अवधारणा पैरों पर आपारीयों

महेंद्रगढ़। नाटक प्रस्तुति करते हुए और हरियाणवी गीत पर प्रस्तुति देते हुए दिल्हाया ने कोई इस मौके पर मुख्यतावन्धि व्यापक वे आपने संबोधित किए कि सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारे संस्कृति का अभाव नहीं होता है। विजया जान के साथ-साथ व्यक्तिवाच किवास के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिबन्धित करने से व्यक्ति का वीर्युद्ध विकास भी संभव होता है। उन्होंने कहा कि कहाँ हाथ वापस तंतु करना चाहता है कि यह बन चुका है कि युवाओं ने शिक्षा के सांस्कृतिक क्षेत्र में अपनी व्यापक पहचान बनाई है। अपनी व्यापक पहचान बनाई है। युवा एवं संस्कृति की विविधता के लिए इस अवसर पर किसी व्यापक विश्वासीय पर प्रकाश करना। किंवदं जिला विद्यालयों की विद्यार्थी व्यापक विश्वासीय पर प्रकाश करना।

हरियाणवी गीत प्रस्तुति देखे हुए।

कहा जाता था परंतु अब वह क्षेत्र शिक्षा का हम बच चुके हैं तथा वहाँ के सुवाओं ने शिक्षा के साथ-साथ सार्वजनिक क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी फहमी बनाई है। विभाग के युवा युवाएँ सामूहिक अधिकारी के रूप में अपनी सामूहिकता के लिए काम करते हैं तथा उनसे विभिन्न काम करते हैं जो विभिन्न काम करते हैं तथा वहाँ पर प्रकाश छाते हुए वहाँ का विभिन्न काम करते हैं तथा वहाँ पर प्रकाश छाते हुए

खोज करने में सक्षम है इन युवाओं को आगे आकर राष्ट्र के कर्कुत रूप में स्थापित होना चाहिए। उत्सव में 18 अलग-सांस्कृतिक विधाओं में प्रतिनिधि आयोजित की जा रही है। विजेता 6 से 8 नंबर तक अंतर्भूत आयोजित राज्य युवा उत्सव में काम प्रतिनिधित्व करेंगी। कार्यक्रम

फोटो हाईस्प्रिंग

व्यक्तित्व विकास में कार्यक्रमों की अहम भूमिका

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़। सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारे संस्कृति का आइना होते हैं। किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिभागिता करने से व्यक्ति का बौद्धिक विकास भी संभव होता है।

उक्त विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जांट-पाली में खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग की ओर से आयोजित जिला स्तरीय युवा उत्सव के शुभारंभ अवसर पर आरपीएस गुरुप ॲफ एजुकेशन के संस्थापक निदेशक डॉ. ओपी यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए व्यक्त किए। डॉ. यादव ने कहा कि महेंद्रगढ़ जिला किसी समय पिछड़ा कहा जाता था परंतु अब यह क्षेत्र शिक्षा का हब बन चुका है। जिला स्तरीय युवा उत्सव में 16 अलग-अलग सांस्कृतिक विधाओं में प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। विजेता टीमें 6 से 8 नवंबर तक अंबाला में आयोजित राज्य युवा उत्सव में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के संकाय अध्यक्ष प्रो. आशीष दहिया ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि हमें हार-जीत की भावना से दूर रहकर लक्ष्य पर ध्यान देना चाहिए।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सभागार में आज जिला स्तरीय युवा उत्सव में कलाकारों ने जहाँ नाटक के माध्यम से



मुख्य अतिथि ओपी यादव को स्मृति चिह्न देते हुए खेल एवं युवा कार्यक्रम के अधिकारी।

अभिनय की सुंदर-सुंदर प्रस्तुतियां दी। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय व नारनौल से आए सांस्कृतिक संगीत के प्रतिभागियों ने भी सुर साधाना का परिचय दिया। राजकीय महाविद्यालय नारनौल की ओर से प्रस्तुत नाटक टोबा टेक सिंह के मंचन ने सभागार में बैठे दर्शकों की आँखों को नम कर दिया। रंगीला गुप महेंद्रगढ़ द्वारा प्रस्तुत नाटक में हरियाणवी संस्कृति को दर्शाते हुए हमारे बिगड़ते हुए संस्कारों पर बखूबी व्यंग्य कसा गया। इस अवसर पर डॉ. बीर सिंह, डॉ. मनोज, डॉ. रेनू, डॉ. सिद्धर्थ, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. आरती, सुदीप, विनय, वाईसीओ संदीप संघी, केसरी नंदन आदि थे



जिला युवा उत्सव में नृत्य करती छात्राएं।